BIHAR EDUCATION PROJECT

MUZAFFARPUR

ANNUAL ACTION PLAN 1993-94

12

FOR REFERENCE ONLY

BIHAR

Major Activities and

Tentative Budget Estimate

For the year 1993-'94

NIEPA DC
D09067

Bihar Education Project

Muzaffarpur

-5412
372
BIH-A

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC. No. D-9067
Date 12-03-96

115/96

INTRODUCTION

It is our bad luck that the education in the State of Bihar is in poor shape .The condition in Muzaffarpur district is not different.Literacy percentage is low(lower than Bihar average).Female literacy is very low(18.62 %) especially in the SC population(2%). Most of the schools are in dilapidated condition with scant attention to other physical facilities.The female population is held in low esteem especially in the rural areas.Sex ratio has fallen from 963 to 906 (1991-census).

The children are a neglected lot.Formal primary educationcould attract only a few.

But the redeeming feature has been the awakening of teachers with regard to strengthening of schools.

This feature can be utilised to launch a programme of universalisation of primary education through universal participation, retention and attainment.The social workers are ready to co-operate in different sensitisation schemes.

Therfore the need for special education programme like BEP.

Advent of BEP in 1992 was well received by the people in general and teachers in particular.

An extensive action-plan covering different components of BEP was passed in Nov.1992 in the state BEP executive meeting.

To accelerate access of children of disadvantaged group to primary education,learning material support has been provided to 40,000 children.Twenty five workshops,conventions and Jan Sankalp Sabhas have been held throughout the district to strengthen primary education through enrolment,retention and extensive attainment.

As envisaged in the Action Plan target for different components was fixed.

By March'93 BEP Muzaffarpur will achieve the construction of 84 primary school buildings,setting up of 300 primary school libraries,provision of toilet and drinking water facilities in 140 primary schools and equipping 225 schools with sports material,Science equipments and furniture.

As compared to 1991, in 1992,96% increase in 6-14 age group S.C.children's participation has been achieved.

The target for enrolment has been fixed at 1.25 lakh in 1993-'94.Drop out rate has gone down appreciably.

But primary education cannot reach all children by school enrolment alone. For working children 282 non formal units have been identified.Resource persons have already been trained.As soon as Volunteer's Manual and Primers are made available,training of volunteers will be completed and units started.

Core group members for Mahila Samakhya and Bal Vikas have received training. In March 1993 the activities under these components will start with full speed.

Muzaffarpur could hold an enthusiastic Bal Mela in January'93.Through this Bal Mela several teachers & students have been enthused for play way learning.

On the 26th February a massive rally of teachers, students,Government workers and social activities was organised to propagate the theme of BEP in Muzaffarpur town and to launch the urban literacy compaign.The main attraction of the rally was the participation of large number of females in the rally.

For adult and post literacy,action plan has already been sent to the National Literacy Mission,Delhi,for approval.

BEP Muzaffarpur is supporting Urban Basic Services For the Poor in a big way by adopting 6 slum areas for total literacy.

Muzaffarpur DIET will start functioning by March 1993.In-service teachers training,block level inspecting officers'training and head masters'training will be the first items on training agenda.Necessary infrastructure is in the process of development.

The pace of project implementation is gradually speeding up.Response to popular co-operation is enormous.Difficulties and hurdles are there, but the challenges are being met squarely.

प्रबन्धन

घटक

प्राथमिक शिक्षा – औपचारिक प्रभाग

(स्कूल प्रबन्धन, पठन-पाठन, निर्माण, स्तरोन्नयन, प्रोत्साहन आदि)

प्राथमिक शिक्षा – अनौपचारिक प्रभाग

महिला समाख्या

वयस्क शिक्षा

पूर्व प्राथमिक शिक्षा तथा बालपन की देखरेख

ततत् शिक्षा

वातावरण निर्माण

प्रबन्धन संरचना

प्राथमिक शिक्षा के जो भी दायित्व हैं उनके पालन हेतु संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षण के जरिए उचित क्षमता प्रदान की जायेगी।

जिला सलाहकार समिति का गठन किया जा चुका है। इसमें सभी जन-प्रतिनिधि, विभिन्न संबद्ध कार्यों के सक्रिय प्रतिनिधि शामिल हैं।

जिला कार्यकारिणी पहले से ही गठित है।

विभिन्न टास्क-फोर्स गठित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त इनके संयोजकों को लेकर कार्यदल बना हुआ है। हर शुक्रवार को इसकी बैठक होती है।

प्रखण्ड तथा पंचायत स्तर पर कोर ग्रुप बनाए जा रहे हैं।

विभिन्न प्रखण्डों में 282 टोला समितियाँ बन चुकी हैं। शेष में बनने के क्रम में हैं।

टोला समितियों में 50% से अधिक संख्या महिलाओं की है। 10 से 17 सदस्यों की बनी ये समितियाँ विभिन्न घटकों के उद्देश्यों को पूरा करने हेतु समवेत ढंग से कार्यशील हैं।

बिहार शिक्षा परियोजना विभिन्न घटकों के क्रियाशीलनों के आलोक में पंचायत स्तरीय सक्रियता को बढायेगी। अशिक्षण की दृष्टि से प्रखण्ड स्तर पर शिक्षण इकाई बनाएगी जो अंततः डायट से सम्बद्ध होगी। डायट 1993 से कार्यशील होगी।

सांस्थिक संरचना- अभियानी कार्यक्रम तथा औपचारिक कार्यक्रम के अधीन दिखाई गई है।

सारणी में अभियान कार्यक्रमों में जन समितियों की गतिविधियों से संबंधित ब्योरा दिया गया है तथा उससे लगा सांस्थिक प्रवाह भी वर्णित है।

अन्य घटकों की संरचनाएँ उभर रही हैं। अभी वे कोर-ग्रुप की स्थिति में हैं।

औपचारिक प्राथमिक शिक्षा प्रबन्धन में सांस्थिक प्रवाह

(1) ग्राम शिक्षा समिति,

ग्राम शिक्षा समिति समूची शैक्षिक क्रियाओं की सबसे छोटी इकाई है जिनके मुख्य कार्य निम्न हैं:--

(क) बच्चों का नामांकन करवाने एवं छोजन रोकने के लिये आवश्यक कदम उठाना,छात्रों के स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना।

(ख) विद्यालय की समस्याएँ जन सहयोग से निपटाई जा सकती हैं। जैसे-विद्यालय भवन ,वृक्षारोपण,शुद्ध पेयजल की व्यवस्था इत्यादि को ग्राम स्तर पर निपटा देना।

(ग) नियमित रूप से शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति पर ध्यान रखना एवं आवश्यकता हो तो इस संबंध में सक्षम पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई हेतु सूचना देना।

(घ) आवश्यकताओं को यह समिति सीधे जिला शिक्षा अधीक्षक अथवा सक्षम पदाधिकारी को सुझाव के रूप में भेजेगी।

पंचायत कोर ग्रुप शिक्षकों और समुदाय के मेल से संबंधित कार्य करेगा। ग्राम शिक्षा समिति के निर्णयों को लागू कराने में पहल करेगा। सामान्य उन्मुखीकरण आयोजित करेगा।

प्राथमिक औपचारिक शिक्षा

पृष्ठभूमि

अनुमानित आकलन के अनुसार मुजफ्फरपुर जिले में 6–11 आयुवर्ग के शिशुओं की संख्या 4,17,840 और 11–14 आयुवर्ग के शिशुओं की संख्या 2,08,784 है। इन दोनों वर्गों के शिशुओं के लिए समता के आधार पर प्राथमिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार, शून्य क्षोजन,समुदाय की व्यापक भागीदारी एवं विद्यालयों की भौतिक स्थिति में बढोत्तरी के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

वर्ष 92–93 के उत्तरार्द्ध में परियोजना परिषद से निधि प्राप्त होने पर प्राथमिक शिक्षा के सभी क्षेत्रों में स्वीकृत कार्ययोजना के आधार पर कार्यक्रम आरम्भ किये गये। सर्वप्रथम सभी विद्यालयों में प्राथमिक कक्षाओं में नामांकन हेतु अभियान चलाया गया। अनुकूल वातावरण की सृष्टि के लिए रैलियाँ और जत्थे निकाले गये,जन संकल्प सभाएँ आयोजित की गई,कला मंडलियों द्वारा विद्यालय केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम मंचित किये गये और छात्र-छात्राओं के बीच चित्रांकन,वाद-विवाद,निबन्ध एवं नारा लेखन विधाओं में प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। इन गतिविधियों के फलस्वरूप वर्ष 1991 में जहाँ सामान्य जातियों के शिशुओं में वर्ग 1 से 5 तक नामांकन 1,24,446 एवं अनुसूचित जाति की छात्र –छात्राओं का नामांकन 20,657 हुआ था वहाँ 1992 में सामान्य जातियों की छात्र-छात्राओं का नामांकन बढ़कर 2,05,336 एवं अनुसूचित जाति की छात्र-छात्राओं की संख्या 40,487 हो गई। इस प्रकार छः महीने के नामांकन अभियान के फलस्वरूप सामान्य जाति की छात्र –छात्राओं में 65 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति की छात्र- छात्राओं में 96% की वृद्धि हो गई है।

जहाँ तक नामांकित शिशुओं की विद्यालय-पलायन का प्रश्न है, 1991 में यह 20 प्रतिशत था वह 1992 में 2.5 प्रतिशत पर आ गया है।

प्रत्येक मध्य/प्राथमिक विद्यालय में बाल पंजी अद्यतन कर ली गई है। निरीक्षण पद्धति को तुद्धता प्रदान करने हेतु सभी निरीक्षी पदाधिकारियों के लिए निरीक्षण संख्या निर्धारित कर इस हेतु उन्हें निरीक्षण पत्रक दे दिये गये हैं। निर्धारित संख्या में निरीक्षण प्रतिवेदन प्राप्त हो रहे हैं। प्रतिवेदनों की समीक्षा कर त्रुटियों के निराकरण एवं वांछित सुधार हेतु कारगर कदम उठाये जा रहे हैं।

प्राथमिक शिक्षकों की शिक्षण पद्धति में लायी गयी नई तकनीकों एवं नवाचार से अवगत कराने हेतु चार उन्मुखीकरण शिविर आयोजित किये गये हैं। इसके अतिरिक्त न्यूनतम अधिगम स्तर कार्यक्रमों की जानकारी देने हेतु इस कार्यक्रम से संबद्ध 100 विद्यालयों

के शिक्षकों के दो अलग शिविर भी आयोजित किए गये हैं।

92-93 सत्र में 450 प्राथमिक शिक्षकों का 10/11 द्वितीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 42 शिक्षकों का दो द्वितीय सत्र भी अलग से आयोजित हुआ।

प्रशिक्षित शिक्षकों के व्यवहार एवं आचरण में बदलाव के दृष्टान्त सामने आये हैं। शिक्षकों की उपस्थिति बढ़ी है। विद्यालय अवधि में उनके ठहराव में भी सुधार आया है। कई जगह अभिभावकों ने शिक्षकों के दृष्टिकोण में परिवर्तन की चर्चा की है।

शिक्षकों की व्यक्तिगत समस्याओं के निराकरण हेतु पूरे प्रचार के साथ प्रखण्ड मुख्यालय में जिलास्तरीय शिक्षा पदाधिकारी द्वारा शिविर आयोजित किये गये हैं।

जिले में 84 भवनहीन विद्यालयों में बरामदे के साथ दो कमरों का निर्माण 1,44,000=00 की प्राक्कलित राशि पर कराया जा रहा है। जिले के 140 विद्यालयों में शौचालय सह चापाकल निर्माण 26,400=00 रूपये की प्राक्कलित पर कराया जा रहा है। मार्च 15, 1993 तक ये सभी कार्य पूरे हो जायेंगे। विद्यालय निर्माण में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु पंचायतों से प्राक्कलित राशि का 25 प्रतिशत प्राप्त किया जा रहा है। निर्माण कार्य ग्राम शिक्षा समिति के माध्यम से कराया जा रहा है।

जिले के 300 मध्य/प्राथमिक विद्यालयों में 2,000 /=रूपया प्रति विद्यालय व्यय कर पुस्तकालय की स्थापना की जा रही है।

जिले के 10,000 अनुसूचित जाति के छात्रों एवं 16,000 छात्राओं को 50/=रूपये प्रति छात्र की दर से लेखन सामग्री की आपूर्ति की जा रही है।

जिले की 30,000 अनुसूचित जाति की छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें दी जा रही हैं। वितरण कार्य मार्च में पूरा हो रहा है।

115 मध्य/ प्राथमिक विद्यालयों में 2,000/=रूपया प्रति विद्यालय की द[illegible] उपस्करों की आपूर्ति की जा रही है।

जिले के 4 मध्य विद्यालयों में 2,00,000/=रूपये की लागत से संकुल पुस्तकालय स्थापित किये जा रहे हैं।

जिले के 100 मध्य विद्यालयों में 1,00,000/-रुपये की लागत पर क्रीड़ा सामग्री एवं 40 मध्य विद्यालयों में 4,00,000/- रुपये की लागत से शिक्षण सामग्री की आपूर्ति की जा रही है।

नामांकन अभियान, विद्यालय सौन्दर्यीकरण, शिक्षण विधि में नवाचार एवं परीक्षाफलों में उत्कृष्टता आदि की दृष्टि से विद्यालयों एवं शिक्षकों को मार्च, 93 में पुरस्कृत और सम्मानित किया जायेगा ।

वर्ष-1993-94

वर्ष- 93-94 में वर्ग 1 से 5 तक नामांकन का लक्ष्य 1,25,000 रखा गया है।

कार्यशालाओं का आयोजन:-

प्राथमिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण और बिहार शिक्षा परियोजना की मूल अवधारणा से शिक्षकों को अवगत कराने हेतु विभिन्न कार्यशालाएँ चलाई जाएँगी। एक कार्यशाला में 40 प्रतिभागी होंगे।

वर्ष 93-94 में 1000 प्राथमिक शिक्षकों का 10/11 दिवसीय प्रशिक्षण पूरा किया जायेगा। 200 चयनित विद्यालयों में एम0एल0एल0 कार्यक्रम लागू करने की दृष्टि से इन विद्यालयों के शिक्षकों के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जायेगी। इस पर 2.10 लाख रुपये का व्यय होगा।

सामुदायिक साझीदारी से शिक्षकों के माध्यम से प्राथमिक औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु वास्तविक तथ्यों के संकलन की दृष्टि से नौ प्रखण्डों में बेंच मार्क सर्वेक्षण कराया जायेगा। संभावित व्यय- 0.297 लाख है।

शिक्षक संगठनों के साथ शिक्षकों की सूक्ष्म योजना के उन्नयन हेतु जिला स्तरीय एक(1) तथा प्रखण्ड स्तरीय नौ(9) सम्मेलन किये जायेंगे।

शिक्षण व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण एवं विकास हेतु मूल मॉनिटरिंग फौर्मेट्स का स्थापन एवं मुद्रण सम्पन्न कराया जायगा।

शिक्षा के गुणात्मक सुधार हेतु 500 विद्यालयों में शैक्षिक उपकरण 500 विद्यालयों में खेल सामग्री का प्रावधान किया जायेगा ।

8100 छात्राओं को शैक्षिक/लेखन सामग्री नि:शुल्क दी जायगी।

विज्ञान एवं गणित की पुस्तकों के विकास एवं लेखन तथा इस हेतु शिक्षकों के उन्मुखीकरण पर कार्यशाला आयोजित होगी।

विद्यालय आधारित अन्य गतिविधियाँ यथा क्रीड़ा, निबन्ध, वाद-विवाद, पोस्टर/चित्रांकन, नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताओं आयोजित होगी।

अनुसूचित जाति के 43750 छात्रों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकों एवं लेखन सामग्री की आपूर्ति होगी। व्यय संभावित है।

500 प्राथमिक विद्यालयों में 15 लाख रुपये के व्यय पर नये पुस्तकालयों की स्थापना की जायेगी।

वर्ष 93-94 में 120 भवनहीन विद्यालयों में 3 नये कमरों का निर्माण 170.00 लाख रुपये के व्यय पर किया जायेगा। 75 स्कूलों में मरम्मत कार्य चलाया जाएगा।

684 विद्यालयों में शौचालय तथा 684 विद्यालयों में वाषाकल निर्माण किया जायगा।

500 प्राथमिक विद्यालयों में उपस्करों की आपूर्ति की जायेगी। शिक्षकों की पुरस्कार योजना, स्वास्थ्य योजना, स्कूल केन्द्रित गतिविधि योजना का कार्यान्वयन होगा। 1975 विद्यालयों में श्यामपट्ट दिए जाएँगे।

वर्ष 92-93 में अनुभव एवं प्रशिक्षण के अभाव में कार्यों के निष्पादन में कठिनाइयाँ आई। कार्ययोजना की तैयारी और निधि प्राप्ति में बिलंब हुआ। अतः लक्ष्य तक पहुँचने में परेशानियाँ अधिक आई। शिक्षकों, शिक्षाकर्मियों एवं निरीक्षी पदाधिकारियों का सामान्य उन्मुखीकरण हुआ है। उनकी दृष्टि में बदलाव आया है। समुदाय एवं अभिभावकों की भागीदारी बढ़ी है। तदनुरूप समाज की आकांक्षाएँ भी विकसित हुई है। बढ़ी हुई अपेक्षाओं के अनुरूप हमारा दायित्व भी बढ़ा है। तदनुसार वर्ष 93-94 में हम अपने सभी कार्यक्रमों को सारिणीबद्ध ढंग से आरम्भ करेंगे और जो भी यथार्थपरक लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं, उन्हें प्राप्त करेंगे।

सर्वव्यापी पहुँच और सर्वव्यापी भागीदारी रणनीति के दो प्रमुख आयाम होंगे। शिक्षकों पर हमारी निर्भरता अधिक होगी। वे अपनी नई भूमिका के प्रति अधिक संवेदनशील हो गये हैं। हमारे ध्यान का केन्द्र बिन्दु 6-14 आयुवर्ग के शिशु होंगे। इनमें प्रमुखता अभिवंचित वर्ग के शिशुओं की होगी। उनमें नई आकांक्षा पैदा करेंगे और आशाओं का एक नया आकाश उनके सामने प्रस्तुत करेंगे।

-------:0:-------

अनुश्रवण

औपचारिक प्राथमिक शिक्षा क्षेत्र में जो भी कार्य कलाप प्रस्तावित है उनकी समुचित देखरेख के लिये इस प्रभाग में एक अनुश्रवण कोषांग का गठन किया गया है। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी,क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी एवं अन्य निरीक्षी पदाधिकारियों के निरीक्षण हेतु मानदंड निर्धारित कर दिये गये हैं और निरीक्षण पत्रकों की आपूर्ति कर दी गयी है। प्राप्त निरीक्षण प्रतिवेदनों की बिन्दुवार समीक्षा की जाती है और सभी बिन्दुओं पर अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है।

भवन निर्माण,शौचालय सह पायखाना निर्माण,पुस्तकालयों की स्थापना,पाठ्य-पुस्तकों एवं लेखन सामग्री के निःशुल्क वितरण,विद्यालयों में उपस्करों एवं क्रीडा सामग्री की आपूर्ति और नामांकन अभियान आदि सभी कार्यों के गहन पर्यवेक्षण एवं जाँच हेतु जिला कार्यदल के सदस्यों के बीच जिले के प्रखंडों का विभाजन निम्न प्रकार कर दिया गया है :--

आबंटित प्रखण्डों की सूची	पदाधिकारी का नाम
(1) मुरौल (2) तरारी (3) मुशहरी	प्रो० शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
(4) पारू (5) तरैया (6) साहेबगंज (7) मोतीपुर (8) कांटी	श्री भुवनेश्वर प्रसाद सिन्हा
(9) कटरा (10) गायघाट (11) औराई (12) बोचहाँ	श्री प्राण कुमार झा
(13) कुढनी (14) मीनापुर	श्री महेन्द्र प्रसाद शाही

निर्माण कार्यों की तकनीकी जाँच हेतु अभियन्त्रण कोषांग का गठन कार्यपालक अभियन्ता एन0आर0ई0पी0 के नेतृत्व में किया गया है। उनके साथ सम्बद्ध दो सहायक अभियन्ता भी इस कार्य की देखभाल कर रहे हैं। योजनाओं का अन्तिम नापी की जाँच उनके द्वारा होने पर ही भुगतान किया जाता है।

जिला टास्क फोर्स के सभी सदस्य एवं विभिन्न कार्यदलों के साथ सम्बद्ध स्टीयरींग ग्रुप के सदस्य भी नियमित रूप से भ्रमण कर सभी कार्यक्रमों का निरीक्षण करते हैं और अपने मन्तव्य से जिला कार्यदल को अवगत कराते हैं। सभी कार्यों की मॉनिटरींग जिला कार्यदल द्वारा की जाती है और साप्ताहिक बैठक में सभी प्रगतिवेदनों की समीक्षा की जाती है तथा कार्यान्वयन से सम्बन्ध रखने वाले सभी पदाधिकारियों और अभिकर्त्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

------::0::------

(3) अनौपचारिक (प्राथमिक)

प्राथमिक स्कूलों में नामांकन अभियान द्वारा अधिकाधिक बच्चे-बच्चियों को दाखिल कराने के बावजूद अनेक टोलों में स्कूलों के अभाव के कारण (जहाँ स्कूल स्थापित करने की शर्तों के अनुसार स्कूल स्थापित नहीं हो सकते), स्थापित स्कूलों से ज्यादा दूरी के कारण मुख्यतः बालिकाओं के लिए तथा कामकाज में फँसे होने के कारण काफी संख्या में बच्चे-बच्चियाँ स्कूल नहीं पहुँच पाएँगी। इनके लिए अनौपचारिक क्रियाशीलन द्वारा शिक्षा को मुख्य धारा में लाने का कार्यक्रम चलाना जरूरी है।

इस दृष्टि से 1993-94 वर्ष में 1000 अनौपचारिक इकाइयाँ स्थापित की जायेंगी तथा 1992-93 की इकाइयों को चालू रखा जायगा।

800 प्राथमिक इकाइयाँ तथा 200 उच्च प्राथमिक इकाइयाँ होंगी।

उच्च प्राथमिक इकाइयाँ प्रायः बालिकाओं के लिए होंगी।

सामु कार्यक्रम के अधीन पहले से चली आ रही इकाइयाँ चालू रखी जायेंगी।

1000 इकाइयाँ, 10 प्रोजेक्टों के अधीन होंगी।

10 इकाइयों का सब प्रोजेक्ट होगा, जिसका प्रबन्धन पर्यवेक्षक (सहायक अभियान संयोजक) द्वारा होगा।

प्रोजेक्ट का प्रबन्धन अभियान संयोजक द्वारा होगा।

एक इकाई में 25 शिक्षिक्षु होंगे।

प्रत्येक इकाई का संचालन एक स्वयंसेवक द्वारा किया जायगा।

-----:0:-----

प्रति प्राथमिक इकाई पर खर्च

अनावर्ती		आवर्ती	
(1) उपकरण (लालटेन, ब्लैक बोर्ड)	650=00	(1) स्वयंसेवक शिक्षक का मानदेय, 200/- प्रतिमाह (12×200/-)	2400=00
(2) इकाई में शिक्षण सामग्री (मैप, चार्ट, किताबें, खेल सामग्री, आदि)	850=00	(2) प्रकाश की व्यवस्था (12×100/-)	1200=00
	1500=00	(3) शिशिक्षु के लिए शिक्षण सामग्री (किताब, स्लेट, आदि) 75/- प्रति शिशिक्षु-	1875=00
		(4) स्वयंसेवक प्रशिक्षण	700=00
		(5) पर्यवेक्षण	500=00
		(6) कन्टिजेन्सी	250=00
			6925=00
उच्च प्राथमिक इकाई पर खर्च		(1) मानदेय- 2 स्वयंसेवक प्रशिक्षक, 250/- प्रतिमाह-	600=00
(1) उपकरण	950=00	(2) प्रकाश, 100/- प्रतिमाह	1200=00
(2) शिक्षण सामग्री-	850=00	(3) प्रशिक्षण सामग्री, 100/- प्रतिमाह	2500=00
	1800=00	(4) स्वयंसेवक प्रशिक्षण	1500=00
		(5) पर्यवेक्षण	500=00
		(6) कान्टिजेन्सी	250=00
			11850=00

1992-93 में 600 अनौपचारिक विद्यालयों की पहचान हुई। पहचान के लिए निम्नलिखित मुद्दे रखे गए--

§1§ प्रायः अभिवंचित वर्ग के टोले जहाँ प्राथमिक विद्यालय न हों ।

§2§ टोले से स्वयंसेवक-शिक्षक/योग्यता माध्यमिक स्तरीय/3 वर्षों तक काम करने का संकल्प ।

§3§ प्रत्येक अ0वि0के शिशिक्षुओं की सूची- उनके माता-पिता के नाम-शिशिक्षु की उम्र-जाति-प्राथमिक विद्यालय से नहीं संबद्ध होना।

§4§ अनौपचारिक विद्यालय का स्थान-समय।

§5§ टोले में टोला समिति की बैठक में निर्पण-स्वयंसेवक-शिक्षक की पहचान-स्वयंसेवक शिक्षक के कामों की देखरेख का दायित्व-शिशिक्षुओं को अ0वि0में प्रतिदिन पहुँचाने का दायित्व-सामुदायिक दबाव का दायित्व-3 वर्ष तक लगातार स्वयंसेवक शिक्षक की कार्यशीलता का सुनिश्चय-स्वयंसेवक शिक्षक द्वारा प्रशिक्षण,पुनर्प्रशिक्षण,उन्मुखीकरण में नाम लेने की सुनिश्चितता-अ0वि0की सामग्रियों का टोला सभा के समक्ष वितरण-टोला समिति के संयोजक/संयोजिका द्वारा स0आई0एस0क्रियाओं में संलग्नता का दायित्व। इन मुद्दों को पूरा करने के आलोक में 232 अ0वि0की पहचान हुई है। पुस्तकें के उपलब्ध नहीं रहने से इन स्वयंसेवक-शिक्षकों का प्रशिक्षण नहीं हो सका है।

3 स्रोत व्यक्तियों का प्रशिक्षण हुआ है।

5 स्रोत व्यक्तियों का प्रशिक्षण शीघ्र होना है। उनकी पहचान हो चुकी है।

30 मूल प्रशिक्षकों की पहचान हो चुकी है। इनका प्रशिक्षण पुस्तक के उपलब्ध होते ही शुरू किया जायगा।

पहले खेप में आवासीय 5 दिवसीय/दूसरे खेप में §दो माह बाद§ आवासीय 5 दिवसीय/ यह अ0वि0को शीघ्र चालू करने के उद्देश्य से होगा। बाद में एक ही साथ 10 दिवसीय की प्रथा चालू रहेगी।

सघन अभियान के दौरान प्रशिक्षण के लिए आवश्यक दक्ष व्यक्तियों की मुजफ्फरपुर में कमी नहीं है।

सामग्री के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध है§कागज आदि§।

1993-94 के लिए 10 स्रोत व्यक्तियों एवं 30 मूल प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण प्रस्तावित है। 100 पर्यवेक्षकों का परियोजना संयोजकों के साथ उन्मुखीकरण भी किया जाना है।

राज्य बिहार शिक्षा परियोजना ने स्वयंसेवकों के लिए संदर्शिका को छपाई की जिम्मेवारी सौंपी है। उसे फरवरी के अंतिम सप्ताह तक तैयार कराकर विभिन्न जिलों में वितरित करना है।

मार्च के प्रथम सप्ताह तक 200 स्वयंसेवकों का 12 दिवसीय प्रशिक्षण पूरा कर लिया जायगा तथा शेष 100 का 20 मार्च तक। ये स्वयंसेवक अपने अनौपचारिक विद्यालयों में पढाई का काम शुरू कर देंगे। 12 दिवसीय प्रशिक्षण को 6-6 दिनों के दो सेट में पूरा किया जायगा।

(4) पूर्व बालपन की देखरेख तथा पूर्व प्राइमरी शिक्षा

पूर्व बालपन की देखरेख माँ और शिशु केन्द्रित विकास की रीढ़ है। उसी तरह आँगन शिक्षा जिसे पूर्व प्राइमरी शिक्षा की संज्ञा दी जाती है, शिक्षा के आरम्भ और जेहन की सबलता के लिए केन्द्र का कार्य करती है।

मुजफ्फरपुर जिले के परिप्रेक्ष्य में जहाँ 4 प्रखण्डों में आँगनवाडी कार्यक्रम चल रहा है, दो में चलने को है, शेष 8 प्रखण्डों में पूर्व बालपन की देखरेख तथा पूर्व प्राइमरी कार्यक्रम को चलाना अत्यंत आवश्यक जान पड़ता है।

आरम्भ में पाइलट प्रोजेक्ट के रूप में 50 बाल बाडियाँ चलाकर उनसे फीडबैक के अनुसार संवर्धित, संशोधित एवं परिवर्तित नवाचारी कार्यक्रमों का आरम्भ भी सुनिश्चित किया जा सकता है। इन बाडियों में पूर्व प्राइमरी शिक्षा ही प्रमुख क्रियाशीलन होगा।

पूर्व बालपन की देखरेख मुख्यतः वातावरण निर्माण प्रक्रिया द्वारा सबल होती है। प्रतिभागी समूह का रेखांकन इस समूह में शिशुओं के प्रति सक्षमता की भूख पैदा करने का उत्साह, उन्मुखीकरण, स्वास्थ्य कर्मियों में जागरूकता, पोषण अवयवों के प्रति चेतना आदि आवश्यक अंग वातावरण निर्माण के ही हिस्से हैं।

पूर्व बालपन की देखरेख तथा प्राक् प्राइमरी शिक्षा कठिन कार्य है। इसके लिए अनेक प्रकार की सबलताएँ निर्धारित करनी होंगी। खासतौर से प्रशिक्षण के लिए ज्यादा मेहनत की जरूरत होगी।

प्रत्येक बालवाडी में एक संयोजिका तथा एक सहायिका कार्यशील होंगी।

ये प्रयोग गैर आँगनवाडी प्रखण्डों में होंगे।

एक प्रोजेक्ट में 10 इकाइयाँ होंगी। इस प्रकार के 5 प्रोजेक्टों का लक्ष्य है। एक बालवाडी का अनुमानित व्यय एक वर्ष में 21000/=रुपया होगा।

प्रत्येक बालवाडी को 30-35 शिशु इस्तेमाल करेंगे। 1993-94 में 50 इकाइयाँ खोलने का प्रस्ताव है।

बाल विकास कार्यक्रम सम्बन्धी साधनसेवियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण राज्य स्तर पर पूरा हो चुका है।

§5§ महिला समाख्या

मुजफ्फरपुर जिले में महिला समाख्या जिला कोर टीम का प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम हो चुका है। महिला समाख्या को 4 रिसोर्स वर्तन 30/1/93 से 9/2/93 तक बनारस, सहारनपुर तथा टिहरी गढ़वाल में भ्रमण कर आ चुकी है। 15-2-93 से 20-2-93 तक चार रिसोर्स पर्सन का प्रशिक्षण पटना मुख्यालय में हुआ। प्रशिक्षण के बाद 3 रिसोर्स पर्सन को काम शुरू करने का निर्देश मिला। प्रथम तीन माह तक 150 ग्राम में कार्य शुरू करना है। प्रत्येक रिसोर्स पर्सन 5 क्लस्टर में काम शुरू करेंगी।

मुसहरी प्रखण्ड में कार्य शुरू करने का निर्णय किया गया। 150 गाँवों में जितने गाँवों को लेना छूटेगी उसे सटे हुए प्रखंड के गाँवों को लेकर पूरा किया जायगा।

§1§ ट्रेनिंग- महिला समाख्या जिला और टीम का प्रशिक्षण हरेक तीन माह पर होगा।

§2§ सहयोगिनी की पहचान, उन्मुखीकरण, ट्रेनिंग, चयन प्रशिक्षण हरेक तीन माह पर होगा।

§3§ सखी की पहचान, उन्मुखीकरण, ट्रेनिंग, चयन प्रशिक्षण हर तीन माह पर होगा।

§4§ कार्यशाला, सेमिनार, बैठक-

§4-1§ महिला समाख्या का उन्मुखीकरण पूरे जिला कार्यदल एवं कार्यकारणी सदस्यों का होगा।

§4-2§ अनौपचारिक शिक्षा कर्मियों एवं बालपन में देखरेख करने वालों का उन्मुखीकरण।

§4-3§ जिला स्तर पर महिला दिवस समारोह।

§4-4§ प्रखण्ड स्तर पर महिला दिवस समारोह।

§4-5§ क्लस्टर स्तर पर महिला दिवस समारोह सखी-मिलन के रूप में मनाया जायगा।

§4-6§ महिला शिविर

§क§स्वास्थ्य प्रश्नों, स्थानीय चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य की जानकारी, टीकाकरण।

§ख§कानूनी जानकारी एवं मुफ्त सहायता।

§4-7§ महिला समाख्या कोर टीम एवं सहयोगिनी के लिए कार्यशाला-

§क§कानूनी जानकारी
§ख§प्राथमिक उपचार, घरेलू चिकित्सा
§ग§सरकारी योजनाओं की जानकारी

§4-8§ अन्य महिला संगठनों के साथ बैठक-

§5§ **महिला शिक्षण केन्द्र की स्थापना**

चयनित प्रखंड में एक महिला शिक्षण केन्द्र की स्थापना होनी।

§6§ जिला मुख्यालय में महिला रिसोर्स सेन्टर की स्थापना, सेन्टर में टी0वी0, वीडियो, किताबें, टेप, पोस्टर आदि की व्यवस्था होगी।

§7§ महिला समाख्या कुटीर की स्थापना-हर गाँव में एक कुटीर बनाने का प्रयास होना। 1993-94 में कम से कम 40 कुटीर बनाने है।

§8§ कलस्टर स्तर पर बालिका मेला का आयोजन

§9§ महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रभावित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन ।

§10§ एक मासिक लघु पत्रिका का प्रकाशन ।

§11§ सहयोगिनी एवं जिला रिसोर्स पर्सन को जूडो कराटे का प्रशिक्षण ।

(6) डायट तथा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण

साक्षर मुजफ्फरपुर अभियान के तहत प्राइमरी शिक्षकों का व्यापक पैमाने पर उन्मुखीकरण किया गया था। बिहार शिक्षा परियोजना के प्रारंभ से ही उन्मुखीकरण कैम्पों का सिलसिला चालू हुआ है। अभी तक 450 शिक्षकों को 10 दिवसीय प्रशिक्षण मिल चुका है। 100 शिक्षकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण भी दिया गया है।

दस दिवसीय प्रशिक्षण की प्रक्रिया चालू है।

एस0टी0ई0आर0टी0 द्वारा 6 स्रोत व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है।

सीखने के न्यूनतम स्तर की योजना मीनापुर प्रखण्ड के 78 स्कूलों में चल रही है। इसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण एवं सामग्री एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा दी गई थी।

मोतीपुर तथा कांटी के 100 स्कूलों में सीखने के न्यूनतम स्तर की योजना के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम चालू हो चुका है।

अनौपचारिक शिक्षा के संदर्भ में यह ज्ञातव्य है कि सासु अभियान के अंतर्गत 30 अनौपचारिक विद्यालय चालू थे। वे अभी भी चल रहे हैं। बिहार शिक्षा परियोजना कार्यक्रम में 600 इकाइयों की पहचान की गई है।

राज्य स्तर पर तीन साधनसेवियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। जिला स्तर पर 5 साधनसेवी मार्च के प्रथम पक्ष में प्रशिक्षित किए जाएँगे। इनकी सहायता से मार्च में लगभग 300 इकाइयों के स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के साथ-साथ इन इकाइयों को चालू कर दिया जायगा।

मूल प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के साथ-साथ परियोजना संयोजकों तथा सहायक अभियान संयोजकों (पर्यवेक्षकों) का प्रशिक्षण भी पूरा हो जायगा।

प्रशिक्षण के क्रम में अंतिम बिन्दु टोला संयोजकों का प्रशिक्षण है। इसे भी मार्च के चौथे सप्ताह तक उन टोलों में पूरा कर लिया जायगा, जिन टोलों में अनौपचारिक विद्यालय चालू होंगे।

डायट

डायट के लिए मुरौल में सिंचाई विभाग द्वारा निर्मित परिसर लिया गया है जिसे आवश्यकतानुसार थोड़े परिवर्तन परिवर्द्धन से ~~इसे~~ मार्च, 93 में चालू कर दिया जायगा।

परिसर का नक्शा बना लिया गया है। डायट के साधनसेवियों तथा प्रशासनिक पदाधिकारी की पहचान हो चुकी है। विभिन्न प्राथमिक शिक्षक शिक्षण महाविद्यालयों के शिक्षकों को भी इसमें सहायता ली जायगी। उपस्करों तथा उपकरणों की आपूर्ति के लिये कदम उठाए जा रहे हैं। परिसर को मानक डायट के रूप में विकसित होने में थोड़ा समय अवश्य लगेगा। मगर साक्षरता अभियान के दौरान अनेक स्रोत व्यक्ति उभरे हैं, जिनकी सहायता से तत्काल कार्य शुरू करने की पेशकश की जा रही है।

महिला समाख्या के कोर ग्रुप की सदस्याओं तथा बाल विकास के साधनसेवियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है।

संस्कृति संचार, सतत शिक्षा तथा सामान्य माहौल निर्माण

प्राथमिक अनौपचारिक एवं वयस्क साक्षरता दोनों में ही उत्तर शिक्षा का घटक महत्वपूर्ण है। पुस्तकालय, वाचनालय, चंकुल पुस्तकालय, जन शिक्षण निलयम् आदि का गहन प्रयोग होगा।

बाल विकास में माताओं के उन्मुखीकरण हेतु सभी प्रकार की संचार विधाओं का उपयोग होगा ।

विभिन्न घटकों के माहौल निर्माण की विशिष्ट गतिविधियों के अलावा सामान्य अभिवृत्तीय परिवर्तनों के लिए भी सृजनात्मक एवं नवाचारी वातावरण निर्माण क्रियाएँ संचालित करनी होंगी।

1992-93 में 14 प्रखण्डों में जन संकल्प सभाएँ की गई हैं। मार्च 93 तक इस श्रृंखला में दूसरी बार जन संकल्प सभाओं का दौर चालू हो चुका है।

कायाकल्प, संरचना एवं इप्टा संस्थाओं के द्वारा मोतीपुर, कांटी एवं सरैया प्रखण्डों में अनेक नुक्कड़ नाटक तथा अभियान गीतों के प्रोग्राम दिए जा चुके हैं।

भारत ज्ञान विज्ञान समिति के कला जत्था ने पूरे जिले के 12 प्रखण्डों में 97 स्थानों पर अपने आकर्षण प्रोग्राम दिए हैं।

स्क्रिप्ट तथा प्रोडक्शन कार्यशाला भी मोतीपुर में चलाई जा चुकी है।

भारत ज्ञान विज्ञान समिति के सहयोग से मुजफ्फरपुर नगर में जनवरी 8 से 12 तक बालमेले का आकर्षक आयोजन किया गया था। इसमें केरल तथा पांडिचेरी से 13 साधनसेवी आए थे, जिनके द्वारा स्थानीय शिक्षकों को इस विधा में प्रशिक्षण दिया गया।

समय संदर्शिका – प्राथमिक औपचारिक शिक्षा

क्र0	क्रियाशीलन	1993 – 1994											
		अ0	मई	जून	जु0	अग0	सित0	अक्टू0	नव0	दिस0	जन0	फर0	मार्च
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1.	कार्यशालाएँ	T(B)3 V(2)	T(B)3, V(2), M	MT, T(D) V	MT	T(B)3	F M	F M	Sc F M	SC	M	M	M
2.	वातावरण निर्माण												
3.	अनुश्रवण पत्रक तैयारी												
4.	शैक्षिक उपकरणों का वितरण– (500 वि0)												
5.	खेल सामग्री का वितरण (100 वि0)												
6.	खेल मैदान विकास (25 वि0)												
7.	शैक्षिक सामग्री वितरण (65 हजार शिशिधु)												
8.	अनुश्रवण												
9.	भवन, शौचालय, चापाकल (75) (672) (420)												
10.	पुस्तकालय (500)												
11.	उपस्कर (300)												
12.	प्रोत्साहन (शिक्षक)												
13.	बालकेन्द्रित क्रियाशीलन												

F – अवधारणा
V – स्कूली मानचित्रण
M – न्यूनतम स्तर

T(D), T(B) – शिक्षक संघ, सूक्ष्म योजना
D – जिला B – प्रखण्ड
MT – गणित कार्यशाला SC – विज्ञान कार्यशाला

अनौपचारिक शिक्षा

समय सारणी

1993-'94

क्र0	क्रियाशीलन	अ0	मई	जून	जुलाई	अग0	सित0	अक्टू0	नव0	दित0	जन0	फर0	मार्च
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1.	वातावरण निर्माण												
2.	स्वयंसेवक पहचान												
3.	बेंचमार्क सर्वेक्षण												
4.	साधनसेवी प्रशिक्षण												
5.	स्वयंसेवक प्रशिक्षण												
6.	पुनर्प्रशिक्षण												
7.	पाठ्य सामग्री वितरण												
8.	अनुश्रवण												
9.	मूल्यांकन												

बाल विकास कार्यक्रम - समय संदर्शिका

1993 - '94

क्र0	क्रियाशीलन	अप0	मई	जून	जु0	अग0	सित0	अक्टू0	नव0	दिस0	जन0	फर0	मार्च
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1.	वातावरण निर्माण												
2.	पारिवारिक सर्वेक्षण												
3.	साधन तैयियों आदि का प्रशिक्षण और उन्मुखीकरण												
4.	तैयेतिकाओं, सहायिकाओं की पहचान तथा प्रशिक्षण												
5.	बालवाड़ियों का आरम्भ												
6.	सामग्रियों का वितरण												
7.	अनुश्रवण												
8.	मूल्यांकन												

अनुलग्नक 1

मुजफ्फरपुर जिला : जन सांख्यिकी

भूगोल

क्षेत्रफल	3172 वर्ग कि0 मी0 (शहरी क्षेत्रफल 15.6 वर्ग कि0 मी0 , देहाती क्षेत्रफल 3156.4 वर्ग कि0 मी0)
अक्षांश	$25^0 54'$ (उत्तर) - $26^0 23'$ (उत्तर)
देशान्तर	$34^0 53'$ (पूर्व) - $85^0 45'$ (पूर्व)

चौहद्दी

उत्तर	सीतामढ़ी एवं पूर्वी चम्पारण
दक्षिण	वैशाली एवं सारण
पूर्व	दरभंगा एवं समस्तीपुर
पश्चिम	सारण एवं गोपालगंज

5

भूगोल - प्रशासनिक इकाइयाँ

क्रम	इकाई	संख्या	अवधि	
			1981	1991
1.	अनुमण्डल Division	2	2	2
2.	प्रखण्ड - Block	14	14	14
3.	पंचायत Panchayat	341	318	341
4.	शहर - CITY	1	1	1
5.	गाँव VILL	1729	1729	1729
6.	टोले TOLA	7290	7290	7290
~~7.~~	~~थाना~~	~~26 + 21 चौकि~~		

(घ) आबादी वृद्धि

जनगणना वर्ष	जनसंख्या	अवधि	जनसंख्या वृद्धि	जनसंख्या वृद्धि दर प्रतिशत
1951	1366341	--	---	---
1961	1598346	1951-61	232005	16.96
1971	1909059	1961-71	310713	23.54
1981	2357388	1971-81	448329	23.48
1991	2946571	1981-91	589183	24.99

(ङ) लिंगानुपात तथा घनत्व

वर्ष	जनसंख्या	जनसंख्या का घनत्व (प्रति वर्ग किमी०)	वृद्धि दर (प्रतिशत)	लिंगानुपात (महिला प्रति हजार पुरुष)
1981	23,57,388	743	23.48	963
1991	29,46,571	929	24.99	906

आबादी वर्गीकरण

वर्ष	कुल जन संख्या			अनुसूचित जाति			प्रतिशत
	महिला	पुरुष	कुल	महिला	पुरुष	कुल	
1981	11,56,324	12,01,064	23,57,383	1,83,134	1,85,042	3,68,176	15.6
1991	14,00,881	15,45,690	29,46,57	2,14,279	2,34,557	4,48,836	15.3

वर्ष	अनुसूचित जनजाति		
	महिला	पुरुष	कुल
1981	314	334	648
1991	577	700	1277

जन संख्या
=======

(क) गृह तथा परिवार (संख्या)

इकाई	शहरी	देहाती
आवासीय गृह	23,744	2,85,606
परिवार	26,981	3,62,869

(ख) आबादी

जनगणना वर्ष	शहरी			देहाती			सम्पूर्ण
	महिला	पुरुष	कुल	महिला	पुरुष	कुल	
1971	54,470	71,909	1,26,379	8,96,319	8,86,361	17,82,680	19,82,680
1981	84,830	1,05,586	1,90,416	10,71,494	10,95,478	21,66,972	23,54,388
1991	1,09,329	1,31,121	2,40,450	12,91,552	14,14,569	27,06,121	29,46,571

(च) जन्म दर (प्रति हजार) (1988)

देहाती क्षेत्र	शहरी क्षेत्र	संयुक्त
38.1	30.4	37.3

(छ) मृत्यु दर (प्रति हजार) (1988)

देहाती क्षेत्र	शहरी क्षेत्र	संयुक्त
13.0	8.1	12.6

(ज) शिशु मृत्यु दर (प्रति हजार) (1988)

देहाती क्षेत्र	शहरी क्षेत्र	संयुक्त
100	70	97

समेकित बाल विकास योजना

क्र. सं.	प्रखण्ड	केन्द्र	पर्यवेक्षिका	सहायिका	सेविका	लाभार्थी	
						महिला	शिशु
1.	मुशहरी	99	4	99	99	751	6151
2.	कुढ़नी	213	11	213	213	1350	9191
3.	सकरा	151	9	151	151	893	6751
4.	बोचहाँ	126	7	126	126	0	0
	कुल योग	589	31	589	589	2994	22093

प्रखण्डवार गरीबी रेखा के नीचे के परिवारों की संख्या

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, मुजफ्फरपुर

क्र. सं.	प्रखण्ड का नाम	आमदनी				कुल योग
		0–4000 रू0 प्रति परिवार	4001 से 6000रू0 प्रति परिवार	6001 से 8500रू0 प्रति परिवार	8500 से 11000 रू0 प्रति परिवार	
1.	मुशहरी	11452	2626	754	239	15071
2.	मुरौल	320	3780	7380	7376	12760
3.	सरा	7965	3709	2320	523	14517
4.	मीनापुर	7521	3894	2085	471	8971
5.	बोचहां	9270	6789	3706	1930	21695
6.	गायघाट	17405	5076	1937	740	25158
7.	सरा	7302	4809	3602	2006	17719
8.	औराई	6700	4506	3809	1602	16617
9.	कांटी	6331	5499	1874	450	14154
10.	मोतीपुर	7616	6604	2446	772	17438
11.	साहेबगंज	5949	3611	2440	1042	13042
12.	सरैया	987	10017	7933	3858	22455
13.	पारू	10025	5920	2049	1219	19213
14.	कुढनी	11020	8900	5600	3020	27940
	कुल योग	109869	75740	47931	18156	251690

प्रपत्र- ख

31-3-93 तक कुल नामांकित बच्चों का संख्या-

	सामान्य	अनु० जाति	अनु० जनजाति
बालक-	98267	19083	----
बालिका-	48459	8082	----

30-9-92 तक कुल नामांकित बच्चों को संख्या-

	सामान्य	अनु०जाति	अनु०जनजाति
बालक-	1,81,045	43,753	-----
बालिका-	97,010	20,921	-----

दिसम्बर, 92 को वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित बच्चों की संख्या-

	सामान्य	अनु०जाति	अनु०जनजाति
बालक-	1,52,536	26,600	-----
बालिका-	52,800	13,887	-----

अनुलग्नक 3

प्रशिक्षण कैलेण्डर

विहार शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित अनौपचारिक शिक्षा में विकास हेतु शिक्षकों का सेवाकालीन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सत्र - 1993-94 , प्रशिक्षण स्थल - डायट मुरौल , जिला - मुजफ्फरपुर , 10 दिवसीय प्रशिक्षण ।

क्रमांक	अवधि		प्रतिभागी	साधनसेवी	चर्या निदेशक	प्रशिक्षण केन्द्र	प्रखण्ड
	से	तक					
1.	01.04.93	11.04.93	70	08	02	02	1-मीनापुर-2
2-	13.04.93	23.04.93	70	08	02	02	2-मोतीपुर
3.	20.06.93	30.06.93	70	08	02	02	3-कांटी
4.	03.07.93	13.07.93	70	08	02	02	4-कुढ़नी
5.	01.09.93	11.09.93	70	08	02	02	5-बोचहां
6.	13.09.93	23.09.93	70	08	02	02	6-गायघाट
7.	03.10.93	13.10.93	70	08	02	02	
8.	27.10.93	06.11.93	70	08	02	02	
9.	15.01.94	25.01.94	70	08	02	02	
10.	10.02.94	20.02.94	70	08	02	02	

700

LIBRARY & DOCUMENTATION
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No D-9067
Date 12-3-96

प्रशिक्षण कैलेण्डर

बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित औपचारिक शिक्षा में विकास हेतु शिक्षकों का सेवाकालीन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सत्र - 1993-94 , प्रशिक्षण स्थल - डायट मुरौल , जिला - मुजफ्फरपुर , 10 दिवसीय प्रशिक्षण ।

क्रमांक	अवधि से	तक	प्रतिभागी	साधन सेवी	चर्या निदेशक	प्रशिक्षण केन्द्र	प्रखण्ड
1-	01.04.93	10.04.93	70 (35+35)	08	02	02	1-मीनापुर-2 2-मोतीपुर 3-कांटी 4-कुढ़नी 5-बोचहां 6-गायघाट
2.	12.04.93	21.04.93	70	08	02	02	
3.	20.06.93	29.06.93	70	08	02	02	
4.	03.07.93	12.07.93	70	08	02	02	
5.	01.09.93	10.09.93	70	08	02	02	
6.	13.09.93	22.09.93	70	08	02	02	
7.	03.10.93	12.10.93	70	08	02	02	
8.	27.10.93	05.11.93	70	08	02	02	
9.	15.01.94	24.01.94	70	08	02	02	
10.	10.02.94	19.02.94	70	08	02	02	
			700				

Annexure 4

Bihar Education Project
Muzaffarpur.

Executive Committee.

1. District Magistrate,Muzaffarpur,C — Chairman (Ex-Officio)
2. D.D.C.,Muzaffarpur - — Vice-Chairman (Ex-Officio)
3. H.R.D. ,G.O.I.,Representative (Ex-Officio)
4. B.E.P.,Director,Representative (Ex-Officio)
5. Representative,UNICEF,Patna (Ex-Officio)
6. D.E.O.,Muzaffarpur (Ex-Officio)
7. Prof.Shailendra Kumar Srivastava,SAMU,Muzaffarpur
8. Sri M.P.Shahi,Representative,Teachers Association.
9. Sri D.Thakur,H.M.,R.P.H.E.School,Gorigama.
10. Prof.K.Roy,Lecturer,Dr.R.M.L.College,Muzaffarpur
11. Mrs.Nusrat,Social worker.
12. Sri Raja Shilpi
13. Sri Heera Lall
14. A.D.M.,Muzaffarpur
15. Director,D.R.D.A.,Muzaffarpur.

ANNEXURE-5

DISTRICT TASK FORCE

D.D.C. (Co-ordinator)

A.D.M. (Deputy Co-ordinator)

District Superintendent of Education.

District Adult Education Officer.

Sri M.P.Shahi,District Primary Teachers Association.

Dr.Kumkum Roy,Convenor,Mahila Samakhya.

Sri,B.P.Sinha,Convenor,Primary Formal Education.

Accounts Officer,BEP.

Prof.S.K.Srivastava,Convenor,Non-Formal Education.

BUDGET ABSTACT.

		(Fig.in Lakh)
1. Support to N.G.O.s and individuals and Monitoring.	...	3.00
2. Non-recurring expenditure for programme activities.	...	27.50
3. Culture for communication and continuing Education.	...	22.20
4. E.C.C.E.	...	11.05
5. Women Development	...	19.03
6. Primary Non-Formal	...	108.76
7. Diet & Training	...	33.01
8. Primary Formal	...	522.38
9. Project Management	...	22.78
		769.71

Bihar Education Project, Muzaffarpur

Budget Estimate (1993-'94)

Sl. No.	CATEGORY	Budget Estimate (1993-'94) (Lakh)	Remarks.			
1.	2.	3.	4.			
A.	Project Management		Primary	Non-Formal and Bal-Vikas.	Mahila Samakhya	DIET
1.	Salaries/Honoraria/ Allowances for Technical/Managerial support and Class IV staff & drivers.	8.40 (Rs.0.70 Lakh p.m.	Sri B.P.Sinha Consultant.	Prof.S.K. Srivastava (Convenor) Sri Kailash Thakur. RP Smt.Kishori Joseph RP Bal Vikas Sri Krishna Murari Thakur RP Smt.Dr.Poonam Singh RP Miss Pushpa Lakra RP (They will also help NFE).	Dr.Kumkum Rai (Convenor) Smt.Nusrat ARP Sushri Seema Kumari ARP Sushri Rekha Kumari ARP	Sri D.Thakur RP Sri H.P. Srivastava RP Smt.Abha Rani RP Sri Y.K. Singh RP Sri S.S. Srivastava RP Sri R.N.Pd. RP Sri P.K.Jha Administrative Officer.
2.	Management information & Monitoring system	2.50				

1.	2.	3.	4.
	MIS(Floppies etc.& Maintenance)	2.50	
3.	Rent taxes etc.for office	0.38	
4.	Office expenditure on consumables	2.00	Ware-house rent included.
5.	Other administrative office expenditure(Telephone, Telegram,T.A.,D.A.,etc.)	6.00	

1.	2.	3.	4.
6.	Basic mobility requirements for prog.management & monitoring(Recurring).	2.50	
7.	Advocacy:Office expenses on account of meetings of participatory agencies connected with the project, other states,donors agencies, experts,NGOs to promote greater understanding of BEP concepts, project formulation and implementation.	1.00	
		Sub Total: 22.78	

1.	2.	3.	4.
3.(a)	Conferences with teachers' orgn.to strengthen partnership for Education for all.	0.50	
(b)	Workshops for enrolment drive and allied activities for UPE.	0.45	
4.	Supply of innovative school equip.& instructional aids for qualitative improvement of education (@ 10000/-per school)	50.00	(a)School Equipments For 500 schools(500x10000) (b)Sports material For 500 schools (500x1000)
5.	Sports Materials @ Rs. 2000/-per school.	10.00	

1.	2.	3.	4.
6.	Promoting access/participation of the girl child through support for teaching/learning materials(bags/books/papers etc.) @ Rs.60,00 per child.	48.64	81100 girls x 60/-
7.	Promoting Access/participation of SC/ST Boys as above.	26.25	
8.	orientation of teachers for improved science and Math teaching.	0.40	4 workshops

1.	2.	3.	4.
9.	Establishment of school libraries. (Rs.3000/-per school)	15.00	500 schools x 3000/-
10.	Construction/repair of school building. Provision of infrastruction for UPE.		
	(a) construction of school building.	170.00	120 Schools
	(b) Repair of school building	30.00	75 Schools
	(c) Provisionø of school amenities drinking water, latrin	34.20	(i)684 schools (ii) 684 Schools
	(i) @ Rs. 5000/-per tubewell & (ii) Rs. 15000/-per latrine	102.60	500 Schools.
	(iii)School furniture @ Rs.5000/- per school.	25.00	
11.	School Health Programme	1.00	
12.	School Based Activities	1.00	
13.	Black Board to allx school Rs. 300/-per school.	5.93	1975 School.

1.	2.	3.	4.
14.	Award to teachers @ 500/- per teacher.	0.12	24
	Sub Total -	522.38	

C. TRAINING

1.	In Service teacher training (10+11 days two phase out-side diet)	9.80
2.	In service Teacher training (11 days,2nd course outside DIET)	4.05
3.	Diets	
	(i)Strengthening & upgrad-ation.	9.30
	(ii)Management Expenses	3.60
	(iii)Programme Activities Inset training.	3.00
	(iv) Teacher contact programme	
	(a) Magazine	0.60
	(b) Meeting(Guru Gosthi)	0.15

1.	2.	3.	4.
D.	PRIMARY NON FORMAL EDUCATION		
1.(a)	Primary Centres (Honoraria/ Training/Teaching/Learning Materials @ Rs. 1500 (NR) @ Rs. 6925 (REC)	67.40 20.77	
(b)	UPPER PRIMARY CENTRES @ Rs.1800 (NR) @ Rs.11850(REC)	13.65	
2.	Workshed @ Rs. 15000/-	1.50	
3.	Workshops For Defining Strategies Steps, Related Activities @ Rs. 15000/- PER W.S.	0.45	
4.	RESOURCE PERSON TRAINING Rs. 30.00 Per Day.	1.52	
5.	Awards to Instructors/Centre @ Rs. 500.00	0.06	
6.	FIELD VISITS/STUDY TOURS	0.10	
7.	NFE PROJECT COST	3.31	
8.	STRENGTHENING AND SUPPORTING ACTIVITIES IN DRUs AND OTHER RESOURCE CENTRES THROUGH		

1.	2.	3.	4.
MATERIALS DEVELOPMENT & TRAINING.		0.00	
	Sub-Total-	108.76	

E. MAHILA SAMAKHYA

1. Establishment cost of M.S. component in the BEP office (Honorarium, Salaries, TA/DA etc.	2.50
2. Rent, Hire Charges etc on A/c of the programme.	0.25
3. Training (All costs included)	
a. M.S. DIST. CORE TEAM	0.00
b. SAHAYOGINIS	0.53
c. SAKHIS	0.50
4. WORKSHOPS/MEETINGS/ CONVENTIONS &OTHER M.S. RELATED ACTIVITIES	1.50
5. STUDY TOUR etc.	0.25
6. ESTB. OF MAHILA SHIKSHAN KENDRA	6.00
a. NON RECURRING	
i. CONSTRUCTION, REPAIR	
ii. EQUIPMENT/FURNITURE etc.	

1.	2.	3.	4.
b.	RECURRING		
	i. SALARY HONORARIUM		
	ii. T.A./D.A./OTHER EXPENSES		
	iii. OFFICE/PROG.CONTIGENCY		
	iv. TRAINING EXPENSES		
	v. STUDY TOUR etc.		
	vi. LIBRARY		
7.	ESTB.OF M.S.RESOURCE CENTRE	1.50	
	a. RECURRING		
	b. NON RECURRING		
8.	PUBLICATIONS/DOCUMENTATIONS	1.00	
9.	ESTB.OF FIELD CENTRES	0.00	
10.	a.RECURRING		
	b.NON RECURRING		
10.	MAHILA SAMAKHYA HUTS	5.00	
11.	SUPPORT TO NGOs FOR M.S. RELATED ACTIVITIES.	0.00	
12.	TRAINING KIT FOR M.S.	0.00	
		Sub-Total.	19.03

1.	2.	3.	4.
F.	EARLY CHILDHOOD CARE & EDUCATION.		
1.	PRE PRIMARY CENTRE	10.50	
	@ Rs.13680.00(REC)		
	@ Rs. 7320.00 (NR)	0.00	
2.	WORKSHOPS/MEETINGS	0.30	
3.	FIELD VISITS/STUDY TOURS	0.10	
4.	AWARD FOR BEST CENTRES	0.00	
5.	STRENGTHENING OF EXISTING ICDS PROG.(TRG.&NETWORKING EXPNS.)	0.15	
6.	SUPPORT FOR ESTABLISHING ECCE RESOURCE CENTRE.	0.00	
	Sub Total-	11.05	

1.	2.	3.	4.
G.	CULTURE COMMUNICATION & CONTINUING EDUCATION.		
1.	ENVIRONMENT BUILDING FOR EFA/ BEP SCHOOL CENTRED MOBILISATION PACKAGE OF BALMELAS,PUPPET SHOWS, cultural SHOWS,CELEBERATION OF IMPORTANT DAYS,COMPETITIONS (SPORTS/CULTURAL PROGRAMMES etc.)		8.00
2.a.	IDENTIFICATION & TRAINING OF CULTURAL TROUPES/LOCAL ARTISTS		3.20
b.	UTILIZATION OF CULTURAL TROUPES THROUGH WORKSHOPS,PROD. CAMPS		
3.	PRODUCTION OF AV MATERIALS FOR MOTIVATION,EDUCATION,TRAINING		
a.	VIDEO FILMS		1.00
b.	AUDIO TAPES		1.00
c.	POSTERS,STICKERS,BANNERS		0.50
d.	EXHIBITION KITS		0.00
4.	ESTABLISHING COMMUNICATION CENTRE (PURCHASE OF BOOKS,PERIODICALS, AUDIO TAPES,VEDIO FILMS etc)		2.00
5.	PUBLICATIONS		
a.	HOUSE JOURNAL/NEW LETTER/ PAMPHLETS/BOOKLETS etc.		2.00

1.	2.	3.	4.
6.NETWORKING WITH OTHER COMMUNICATION/MEDIA AGENCIES			
a.PRESS (FOR UPE)	0.50		
b.AIR(SERIALS ONUPE FOCUS)	0.00		
c.DDK (GIRLS/DIS.ADV.SEC.)	0.00		
d.SONG & DRAMA DIVISION	0.00		
e.OTHERS	0.00		
7.MOBILISING MEDIA SUPPORT AT DIST.	0.00		
8.ESTABLISHMENT OF J.S.N.	2.00		
9.DOCUMENTATION OF IMPORTANT BEP ACTIVITIES(VIDEO/AUDIO/PRINT)	2.00		
10.MONITORING & EVALUATION OF COMMUNICATION ACTIVITIES.	0.00		
11.NGOs NETWORK & TRG.IEC SUPPORT.	0.00		
12. PREPARATION OF SOFTWARE FOR mobile video van.	0.00		
Sub Total	-22.20		

1.	2.	3.	4.
H.	SUPPORT TO NGOs & INDIVIDUALS		
1.	FELLOWSHIPS ON SUBJECTS RELATED TO BEP OBJECTIVES .	0.00	
2.	SUPPORT TO NGOsFOR INNOVATIVE MICRO PROJECTS.	0.50	
3.	WORKSHOPS WITH NGOsTO PROMOTE NET WORK OF VOLUNTARY AGENCIES	0.50	
4.	MONITORING AND EVALUATION OF PROGRAMME COMPONENTS(INTERNAL)	2.00	
5.	MONITORING ANDEVALUATION OF PROGRAMME COMPONENTS (EXTERNAL)		
6.	ASSISTANCE TO DRUs		
	Sub Total:	3.00	
I.	CONSULTANCIES AND STUDIES		
J.	STRENGTHENING OF STATE LEVEL INSTITUTIONS & ASSISTANCE TO DIRECTORATES/DEPT.		
i)	DEPTARTMENT		
ii)	PRIMARY EDN.DIRECTORATE		
iii)	AE DIRECTORATE		
IV)	SCERT		
v)	SRC-NFE		
vi)	DEEPAYATAN		
	Sub Total -	0.00	

1.	2.	3.	4.
K.	NON RECURRING EXPENDITURE FOR PROGRAMME ACTIVITIES.		
1.	SOFTWARE DEVELOPMENT & PROCUREMENT FOR PROGRAMME MONITORING & OFFICE MANAGEMENT.	0.00	
2.	BASIC REQUIREMENTS FOR OFFICE FURNITURE & FIXTURES.	2.50	
3.	BASIC REQUIREMENTS FOR OFFICE EQUIPMENTS (TYPEWRITERS etc.)	5.00	
4.	EXPENDITURE ON A/C OF SUPP. ITEMS FROM UNICEF OTHER THAN ABOVE.	20.00	
	Sub Total:	27.50	

NIEPA DC
D09067

& DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No. D-9067
Date 12-03-96